



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-28022024-252456  
CG-DL-E-28022024-252456

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 132]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 28, 2024/फाल्गुन 9, 1945

No. 132]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 28, 2024/PHALGUNA 9, 1945

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 2024

संख्या 02/2024- सीमा शुल्क (एडीडी)

सा.का.नि. 143(अ).—जहां कि यूरोपीय संघ, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त राज्य अमेरिका (एतश्मिन पश्चात जिन्हें विषयगत देशों से संदर्भित किया गया है) में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित और भारत में आयातित “एसीटोन” (एतश्मिन पश्चात जिसे विषयगत वस्तु से संदर्भित किया गया है) जो कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) (एतश्मिन पश्चात जिसे उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम से संदर्भित किया गया है) की प्रथम अनुसूची के टैरिफ मद 2914 11 00 के अंतर्गत आते हैं, नामित प्राधिकारी अधिसूचना संख्या 7/26/2018-डीजीएडी, दिनांक 05 मार्च, 2019, जिसे दिनांक 05 मार्च, 2019 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1 में प्रकाशित किया गया था, में इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि –

- प्रश्नगत उत्पाद का विषयगत देशों से इसके सस्ते मूल्य पर आयात जारी है;
- फालतू आयात के कारण घरेलू उद्योग को लगातार क्षति हुई है; और

(iii) यदि विषयगत देशों से होने वाले आयातों पर प्रतिपाटन शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो इससे घरेलू उद्योग को लगातार क्षति होने की संभावना है;

और उन्होंने घरेलू उद्योग को होने वाली इस क्षति को दूर करने के लिए विषयगत वस्तु जो कि विषयगत देशों में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित और भारत में आयातित है, के आयात पर निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी;

और जहां कि, नामित प्राधिकारी के उक्त अन्तिम निष्कर्षों के आधार पर, केन्द्र सरकार ने भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 14/2019 – सीमा शुल्क (एडीडी), जिसे दिनांक 25 मार्च, 2019 को सा.का.नि. संख्या 237(अ) के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (i) में प्रकाशित किया गया था, के माध्यम से विषयगत माल पर प्रतिपाटन शुल्क लगाया था;

और जहां कि, मैसर्स आईएनईओएस फिनोल सिंगापुर प्राईवेट लिमिटेड नामित प्राधिकारी से अंतिम निष्कर्ष या शुल्क तालिका में निर्माता का नाम “ मैसर्स मितसुई फिनोल पीटीइ लिमिटेड ” से बदलकर “ मैसर्स आईएनईओएस फिनोल सिंगापुर प्राईवेट लिमिटेड ” करने का अनुरोध किया है जिसे अधिसूचना संख्या 07/26/2018-डीजीएडी, दिनांक 05 मार्च, 2019 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1 में प्रकाशित किया गया था;

और जहां कि, नामित प्राधिकारी ने अधिसूचना संख्या 07/09/2023-डीजीटीआर, जिसे दिनांक 22 दिसंबर, 2023 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-I, खण्ड-I में प्रकाशित, के अनुसार यह माना है कि निर्माता या निर्यातक मितसुई फिनोल पीटीइ लिमिटेड का नाम बदलकर आईएनईओएस फिनोल सिंगापुर पीटीइ लिमिटेड कर दिया गया है और अपने अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना संख्या 07/26/2018-डीजीएडी, दिनांक 05 मार्च, 2019 में यह सिफारिश की है कि निर्माता के नाम अर्थात् “ मैसर्स मितसुई फिनोल पीटीइ लिमिटेड ” में संशोधन करके “ मैसर्स आईएनईओएस फिनोल सिंगापुर पीटीइ लिमिटेड ” कर दिया जाए।

अतः अब, सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उनका आंकलन तथा उन पर प्रतिपाटन शुल्क का संग्रहण और क्षतिपूर्ति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 18, 20 और 23 के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उप धारा (1) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, नामित प्राधिकारी की उक्त अधिसूचना संख्या 7/09/2023 – डीजीटीआर दिनांक 22 दिसंबर, 2023, पर विचार करने के पश्चात्, एतद्वारा, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 14/2019 – सीमाशुल्क (एडीडी) दिनांक 25 मार्च, 2019, जिसे सा.का.नि. संख्या 237 (अ), दिनांक 25 मार्च, 2019 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उप-खण्ड (i) में प्रकाशित किया गया था, में निम्नलिखित संशोधन करती है, यथा:-

उक्त अधिसूचना में, सारणी में, क्रम संख्या 1 के सामने, कॉलम (5) में, प्रविष्टि के स्थान पर, प्रविष्टि “मैसर्स आईएनईओएस फिनोल सिंगापुर पीटीइ लिमिटेड” को प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

[फा. सं. सीबीआईसी-190354/15/2024-टीआरयू अनुभाग-सीबीईसी]

नितिश कर्नाटक, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28th February, 2024

## No. 02/2024-Customs (ADD)

**G.S.R. 143(E).**— Whereas, in the matter of ‘Acetone’ (hereinafter referred to as the subject goods), originating in, or exported from European Union, Singapore, South Africa and United States of America (hereinafter referred to as the subject countries), falling under tariff item 2914 11 00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the Customs Tariff Act), and imported into India, the designated authority in its final findings, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 5<sup>th</sup> March, 2019, *vide* notification number 7/26/2018-DGAD, dated the 5<sup>th</sup> March, 2019, had come to the conclusion that –

- (i) the product under consideration continues to be imported at the dumped prices from the subject countries;
- (ii) the domestic industry has suffered continued injury on account of dumped imports;
- (iii) the continued injury to the domestic industry in on account of dumped imports and is likely to continue if the anti-dumping duties from subject countries are ceased,

and had recommended imposition of definitive anti-dumping duty on imports of the subject goods, originating in, or exported from the subject countries and imported into India, in order to remove injury to the domestic industry;

And whereas, on the basis of the aforesaid final findings of the designated authority, the Central Government had imposed the anti-dumping duty on the subject goods, *vide* notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 14/2019-Customs (ADD), dated the 25<sup>th</sup> March, 2019, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 237(E), dated the 25<sup>th</sup> March, 2019;

And whereas, M/s INEOS Phenol Singapore Pte. Ltd. has requested the designated authority for changing the name of producer from ‘M/s Mitsui Phenols Singapore Pte. Ltd.’ to ‘M/s INEOS Phenol Singapore Pte. Ltd.’ in the duty table of the final findings, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 5<sup>th</sup> March, 2019, *vide* notification number 7/26/2018-DGAD, dated the 5<sup>th</sup> March, 2019;

And whereas, the designated authority, *vide* notification No. 7/09/2023-DGTR, dated the 22<sup>nd</sup> December, 2023, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 22<sup>nd</sup> December, 2023, has held that the name of the producer or exporter Mitsui Phenols Singapore Pte. Ltd. has been changed to INEOS Phenol Singapore Pte. Ltd. and recommended that the name of the producer, viz., “M/s Mitsui Phenols Singapore Pte. Ltd.” be amended to “M/s INEOS Phenol Singapore Pte. Ltd.” in its final findings notification No. 7/26/2018-DGAD, dated the 5<sup>th</sup> March, 2019.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of section 9A of the Customs Tariff Act read with rules 18, 20 and 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid notification No. 7/09/2023-DGTR, dated the 22<sup>nd</sup> December, 2023 of the Designated Authority, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 14/2019-Customs (ADD), dated the 25<sup>th</sup> March, 2019, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 237(E), dated the 25<sup>th</sup> March, 2019, namely:-

In the said notification, in the TABLE, against serial number 1, in column (5), for the entry, the entry “M/s INEOS Phenol Singapore Pte. Ltd.” shall be substituted.

[F. No. CBIC-190354/15/2024-TRU Section-CBEC]

NITISH KARNATAK, Under Secy.